आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 277 | उज्जैन, बुधवार 27 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

श्रीमहाकालेश्वर उज्जैन-इंदौर-पीथमपुर मेट्रो कॉरिडोर के लिये डी.पी.आर. बनाने परामर्श शुल्क की स्वीकृति

ई-विवेचना ऐप के लिए 75 करोड़ रूपये से 25 हजार टैबलेट क्रय का निर्णय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा उज्जैन-इंदौर-पीथमपुर लाइन के प्रथम चरण में श्रीमहाकालेश्वर उज्जैन लवकुश चौराहा, इंदौर एवं द्वितीय चरण में लवकुश चौराहा से पीथमपुर, मेट्रो रेल परियोजना की डीपीआर बनाने के कार्य के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को परामर्श शुल्क 9 लाख रूपये प्रति किमी की दर (जीएसटी के अनुसार) का अनुमोदन किया गया।

मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में संचालित क्राईम एण्ड क्रिमिनल ट्रेकिंग नेटवर्क एण्ड सिस्टम प्रोजेक्ट के सतत् क्रियान्वयन एवं संचालन के लिए 5 वर्षों (वर्ष 2021-22 से 2025-26) के लिए स्वीकृत लागत 102 करोड़ 88 लाख रूपये की योजना में ई-विवेचना ऐप के लिए 75 करोड़ रूपये से 25 हजार टैबलेट क्रय करने की स्वीकृति दी। संशोधित/ विस्तारित योजना की कुल राशि 177 करोड़ 87 लाख 51 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान गयी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के सभी पुलिस थानों में ष्टष्टञ्जहस्र प्रोजेक्ट 2012 से स्वीकृति है। नए चरण में सभी विवेचना अधिकारियों को इलेक्ट्रॉनिक टेबलेट दिया जाता है। जिससे मौके पर समस्त कार्यवाही हो सके। इसके लिए ई-विवेचना ऐप बनाया गया है। प्रथम चरण में 1732 टेबलेट खरीदे गए हैं।

चीन ने माना भारत की लेजर मारक क्षमता का लोहा, दुनिया में केवल 7 देशों के पास ऐसी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की लेजर मारक क्षमता का चीन ने लोहा माना है। भारत ने कम और मध्यम दूरी तक मार कर सकने की एकीकृत क्षमता का शनिवार को परीक्षण किया था। इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वीपन सिस्टम (आइएडीडब्ल्यूएस) के तहत हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वीपन (डीईडब्ल्यू) की मारक क्षमता को चीन के सैन्य विशेषज्ञ ने भारत की उल्लेखनीय प्रगति बताया है। आइएडीडब्ल्यूएस बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली है, जिसमें स्वदेशी तकनीक से विकसित सतह से हवा में मार करनेवाली मिसाइलें (क्यूआरएसएएम), कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस) मिसाइलें और एक उच्च क्षमता की लेजर आधारित निर्देशित ऊर्जा हथियार (डीईडब्ल्यू) प्रणाली शामिल हैं। 7 देशों के पास डीईडब्ल्यू प्रणाली

बताया जाता है कि अमेरिका, रूस, चीन, यूके, जर्मनी और इजरायल जैसे कुछ ही देशों के पास डीईडब्ल्यू जैसी क्षमता है। बीजिंग आधारित एयरोस्पेस नालेज मैग्जीन के मुख्य संपादक और सैन्य विशेषज्ञ वां या नान ने ग्लोबल टाइम्स को बताया कि भारत की आइएडीडब्ल्यूएस वायु रक्षा प्रणाली को कम और मध्यम दूरी के लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है।

नाई की दुकान पर फेल हो गया था PAK का न्यूक्लियर प्लान, कैसे अजीत डोभाल ने भिखारी बनकर नाकाम की परमाणु चाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्टीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को देसी जेम्स बॉन्ड और सुपरकॉप के नाम से भी जाना जाता है। अजीत डोभाल शुरू से ही थोड़ा हट करके रहे हैं। कई मौकों में पर उन्होंने इसे सिद्ध भी किया है।

दरअसल, इंटेलिजेंस ब्यूरो और सिक्किम मिशन के दौरान उन्होंने खुद को स्थापित किया। इसके अलावा डोभाल ने अपने करियर में कई बड़े मिशन को भी अंजाम दिया है। इसी कड़ी में 1980 के दशक में वह एक ऐसे मिशन पर गए जिसमें ना केवल उनकी जान खतरे में रही, बल्कि देश की सुरक्षा भी खतरे में जा सकती थी।

जब भिखारी बनकर पाकिस्तान में रहे डोभाल- डी देवदत्त की किताब अजीत डोभाल-ऑन ए मिशन में डोभाल से जुड़े एक बड़े और खतरनाक मिशन का जिक्र किया गया है। इस मिशन को पूरा करने के लिए अजीत डोभाल पाकिस्तान गए थे। पाकिस्तान जाकर उन्होंने उनके (पाकिस्तान) परमाणु कार्यक्रम की जासूसी करने का काम किया था। सबसे हैरान करने वाली बात है कि इस दौरान वह भिखारी बन करके पड़ोसी मुल्क में रहते थे और मिशन पर काम करते थे।

सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों, स्वदेशी रॉकेट, सुन लो पाकिस्तान...- राजनाथ सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि, दोनों ही आधुनिक युद्धपोत हैं जिनका निर्माण स्वदेशी तकनीक से किया गया है। मुझे बताया गया है कि इन युद्धपोतों में कई उन्नत क्षमताएं हैं।

उन्होंने दोनों युद्पोत की खासियत बताते हुए कहा कि ये युद्धपोत लंबी दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों, सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चरों, टॉरपीडो लॉन्चरों, युद्ध प्रबंधन प्रणाली और अग्नि नियंत्रण प्रणालियों को समायोजित कर सकते हैं। ये दोनों युद्धपोत समुद्र में खतरनाक अभियानों में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि का जलावतरण आत्मनिर्भर भारत के हमारे सपने के साकार होने का एक दृश्य चित्रण है। यह हमारी दूरदर्शिता और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। मैं इस अवसर पर भारतीय नौसेना को बधाई देता हूं।

नौसेना को दो नीलगिरि श्रेणी के फ्रिगेट मिले- बता दें कि नैसेना ने मंगलवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक समारोह में नीलगिरि श्रेणी के दो नए स्टील्थ फ्रिगेट - आईएनएस हिमगिरि और आईएनएस उदयगिरि को नौसेना में शामिल किया। भारत में निर्मित ये दोनों युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 अल्फा (पी-17ए) का हिस्सा हैं।

क्या महाराष्ट्र में बंद होने जा रही लाडकी बहिन योजना, डिप्टी सीएम शिंदे ने बता दी सच्चाई?

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एक बार फिर से लड़की बहन योजना को लेकर चर्चा की जाने लगी है। विपक्ष ने दावा किया है कि राज्य की फडणवीस सरकार लाडकी बहन योजना को समाप्त करने जा रही है। इन सब के बीच राज्य के सीएम डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी है।

दरअसल, माना जाता है कि महाराष्ट्र महायुति सरकार को बनाने में इस योजना की बड़ी भूमिका रही। हालांकि, सरकार के गठन के बाद से कई ऐसे मौके आए जब कहा गया कि राज्य सरकार इस योजना को बंद करने के पक्ष में है।

लाडकी बहिन योजना पर बोले डिप्टी सीएम- महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि लाडकी बहिन योजना बंद नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार सभी चुनावी वादों को पूरी करेगी। एकनाथ शिंदे ने कहा कि किसानों की कर्ज माफी समेत चुनावी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा।

गौरतलब है कि लाडकी बहिन योजना पर शिंदे की टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि सरकार ने प्रथम दृष्ट्या 26 लाख अयोग्य लाभार्थियों की पहचान की है।

25 लाख से अधिक अयोग्य महिलाओं की पहचान- बता दें कि महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के 26 लाख अयोग्य लाभार्थियों की पहचान की है। इस बात की जानकारी महाराष्ट्र सरकार की मंत्री अदिति तटकरे ने दी है।

हिमाचल-उत्तराखंड में भारी बारिश से तबाही, यूपी-बिहार में भी आफत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली-NCR में मंगलवार की सुबह बारिश ने दस्तक दी। भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 26 अगस्त को दिल्ली-ह्रष्टक्र में भारी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले चार से पांच दिन तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी रहेगी। वहीं, उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में लगातार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है।

अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो EV चलेगी, उसमें लिखा होगा मेड इन इंडिया; गुजरात में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में टीडीएस लिथियम-आयन बैटरी संयंत्र में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के प्रोडक्शन का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने सुजुकी की इलेक्ट्रिक व्हीकल ई-विटारा को भी हरी झंडी दिखाई।

पीएम ने इस मौके पर कहा, आज से भारत में बनी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स 100 देशों को एक्सपोर्ट की जाएंगी। इसके साथ ही, आज हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोल मैन्युफैक्चरिंग की भी शुरुआत हो रही है। यह दिन भारत और जापान की दोस्ती को भी एक नया आयाम दे रहा है। मैं सभी देशवासियों, जापान और सुजुकी कंपनी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

निवेशक हो जाएं कन्फ्यूज, किस राज्य में निवेश करूं- उन्होंने कहा, भारत की सफलता की कहानी के बीज करीब 13 साल पहले बोए गए थे। 2012 में, जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब मैंने मारुति सुजुकी को हंसलपुर में जमीन अलॉट की थी। विजन उस समय भी आत्मनिर्भर भारत का था, मेक इन इंडिया का था। हमारे तब के प्रयास आज देश के संकल्पों को पूरा करने में इतनी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। अब दुनिया के दर्जनों देशों में जो श्वङ्क चलेगी, उसमें लिखा मेड इन इंडिया।

आज पूरी दुनिया, भारत की ओर देख रही है। ऐसे समय में कोई भी राज्य पीछे नहीं रहना चाहिए। हर राज्य को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। हिंदुस्तान आने वाले निवेशकों को इतना कन्फ्यूजन होना चाहिए कि वे सोचें मैं इस राज्य में जाऊं या उस राज्य में।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री- पीएम मोदी ने कहा, मैं सभी राज्यों को निमंत्रण देता हूं। आइए, रिफॉर्म्स की स्पर्धा करें, प्रो डेवलपमेंट नीति की स्पर्धा करें, गुड गवर्नेंस की स्पर्धा करें। 2047 तक विकसित भारत बनाने की गति को और तेज करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

ट्रंप के टैरिफ को टक्कर का महाप्लान तैयार, मोदी-पुतिन और चिनफिंग की तिकड़ी करेगी ये काम; दो दिन में क्या होगा?

चीन 31 अगस्त और 1 सितंबर को एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। इस खास आयोजन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग 20 से ज्यादा विश्व नेताओं का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शिरकत करेंगे। एससीओ शिखर सम्मेलन में वैश्विक दिग्गज ऐसे समय पर जुट रहे हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाया गया है। वहीं, उन्होंने भारत पर 50 प्रतिशत, तो रूस पर टैरिफ के साथ कई प्रतिबंध लगाने का एलान किया है। ऐसे में समय में दुनिया के बड़े नेताओं का एक मंच पर जुटना ट्रंप के लिए टेंशन बन सकती है।

एक मंच पर जुटेंगे दुनिया के 20 देशों के दिग्गज- एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी इस बार चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग कर रहे हैं। इस दौरान एक मंच पर 20 से अधिक देशों के नेता जुटेंगे। इस शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिस्सा लेंगे। पीएम मोदी के अलावा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अलावा, मध्य एशिया, मध्य पूर्व, दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के नेताओं को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। यह शिखर सम्मेलन चीन के तियानजिन में आयोजित होगा।

सात साल में पहली बार चीन की यात्रा करेंगे पीएम- बता दें कि करीब 7 साल में पहली बार पीएम मोदी चीन की यात्रा करने जा रहे हैं। दोनों पड़ोसी देश 2020 में हुई घातक सीमा झड़पों के बाद दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था।

गौरतलब है कि एक साल पहले कजान में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शी चिनफिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ प्रधानमंत्री ने एक मंच साझा किया था। वहीं, पिछले हफ्ते ही भारत में रूसी दूतावास के अधिकारियों ने कहा कि रूस को उम्मीद है कि चीन और भारत के साथ त्रिपक्षीय वार्ता जल्द होगी।

ओरेगॉन की आग ने मचाई भीषण तबाही, 22 हजार एकड़ जंगल खाक; भारत के लिए कितना खतरा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के ओरेगॉन में लगी फ्लैट फायर ने भीषण तबाही मचाई है। इस दावानल ने अबतक करीब 22,000 एकड़ जंगल को खाक कर दिया है। इस आग के कारण करीब 3,900 घरों को खाली करवाना पड़ा है और हजारों लोगों को विस्थापित होने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

भीषण गर्मी, तेज हवाएं, बिजली गिरने का खतरा और मौसम की मार इस आग में घी डालने का काम कर रही है, जिसके कारण ये आग दिनों-दिन फैलती ही जा रही है।

क्यों लगती है जंगल में आग- एक्सपर्ट की मानें तो जंगल में आग सिर्फ प्राकृतिक कारणों या लापरवाही की वजह से ही नहीं लगती है बल्कि इसके पीछे जलवायु परिवर्तन भी एक बड़ी भूमिका निभा रहा है। धरती के तापमान में असामान्य रूप से बढ़ोतरी देखी जा रही है, नमी लगभग गायब हो चुकी है। तेज हवा के झोके आग को फैलने में मदद करते हैं।

बीते कुछ सालों में लगातार बढ़ती बिजली गिरने की घटनाओं ने आग की समस्या को बढ़ाया है, सूखे जंगल में बिजली की एक चिंगारी भी हजारों हेक्टेयर जंगल को खाक कर सकती है। इसके अलवा मानवीय गतिविधियां भी जंगली आग का बड़ा कारण हैं। लापरवाह टूरिज्म और अंधाधुन पेड़ों की कटाई ने जंगल की आग को और खतरनाक बना दिया है।

जंगल की आग से कितना नुकसान?- जंगल में लगी आग आर्थिक, पर्यावरण, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर गहरा असर डालती है। आग लगने से अरबों डॉलर की लकड़ी खाक हो जाती है, पर्यावरण में कार्बनडाइ ऑक्साइड की मात्रा बढ़ जाती है, जिसका जैव विधिधता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

WFH या ऑफिस से काम, क्या है युवाओं की पहली पसंद? सर्वे में सामने आई लोगों के मन की बात

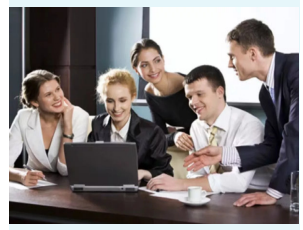

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्क फ्राम होम के बाद आफिस जाने पर यदि आपको भी तनाव होता है तो आप अकेले नहीं है। दरअसल, महामारी के दौरान की गई इस व्यवस्था ने लोगों को न सिर्फ इसका आदी बना दिया बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से भी वो घर से बेहतर परिणाम देने की स्थिति में आ गए।

हाल ही में बॉन्ड विश्वविद्यालय की ओर से वर्फ फ्रॉम होम को लेकर अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की विभिन्न कंपनियों का विश्लेषण किया गया जिसमें सामने आया कि कोविड के बाद कार्यालय लौटने की दरें जून 2023 के आसपास स्थिर हो गईं और तब से इसमें ज्यादा बदलाव नहीं आया है।

सर्वे में ये बात आई सामने- निष्कर्ष में पता चला कि ऑस्ट्रेलिया में अगस्त 2024 में 36 प्रतिशत लोग नियमित रूप से घर से काम कर रहे थे जबकि 2023 में यह आंकड़ा 37 प्रतिशत था। यह महामारी से पहले के स्तरों से एक नाटकीय बदलाव है जब केवल पांच प्रतिशत ही नियमित रूप से घर से काम करते थे।

वहीं, यूरोप और उत्तरी अमेरिका में लगभग 30 प्रतिशत कर्मचारी अब हाइब्रिड शेड्यूल पर काम कर रहे हैं जबकि 2020 से पहले ये प्रतिशत न्यूनतम था।

तो क्या बढ़ जाएगा आईफोन का दाम? गूगल-अमेजन पर लगा डिजिटल टैक्स तो ट्रंप को लगी मिर्ची, इन देशों को दी धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दुनिया को धमकी दी है। सोमवार को उन्होंने धमकी दी कि जो भी देश अमेरिकी टेक कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स या उससे जुड़े नियम लगाएंगे, उनके खिलाफ अमेरिका भारी-भरकम टैरिफ लगाएगा और चिप निर्यात पर रोक लगाएगा। ट्रंप का यह बयान उन देशों के लिए सख्त संदेश है, जो अल्फाबेट, मेटा और अमेजन जैसी अमेरिकी दिग्गज टेक कंपनियों पर टैक्स लगा रहे हैं।

चीन की कंपनियों को मिल रहा छूट और हमें- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर तल्ख लहजे में कहा कि वह अमेरिका की शानदार टेक कंपनियों के खिलाफ होने वाले किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि डिजिटल टैक्स, डिजिटल सर्विस नियम और डिजिटल मार्केट रेगुलेशन अमेरिकी टेक्नोलॉजी को नुकसान पहुंचाने और भेदभाव करने के लिए बनाए गए हैं।

ट्रंप ने गुस्से में यह भी कहा कि ये नियम चीन की बड़ी टेक कंपनियों को पूरी तरह छूट देते हैं, जो बिल्कुल नाकाबिले-बर्दाश्त है।

पाकिस्तान का पीछा नहीं छोड़ रहे 1971 के पाप, बांग्लादेश ने फिर की मांफी की मांग

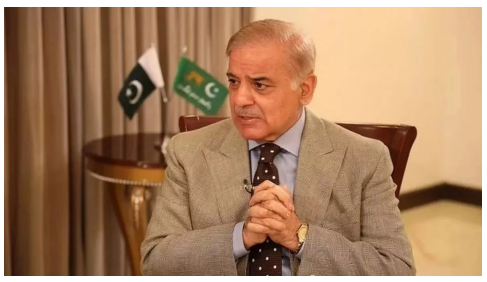

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 साल के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार की बांग्लादेश यात्रा ने एक बार फिर 1971 के घावों को कुरेद दिया। इस दौरे को लेकर पाकिस्तान में बड़ी उम्मीदें लगाई जा रही थीं कि इससे दोनों देशों के रिश्तों में नया मोड़ आएगा, लेकिन ढाका पहुंचते ही जिस अंदाज में बांग्लादेश ने पुराने मुद्दों को उठाया, उससे साफ हो गया कि रिश्तों की गर्मजोशी सिर्फ दिखावे भर की थी। 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तान की सेना द्वारा की गई ज्यादतियों को लेकर माफी की मांग फिर से उठाई गई।

डार ने सफाई दी कि 1971 का मामला पहले ही दो बार सुलझाया जा चुका है। पहली बार 1974 में जुल्फिकार अली भुट्टो ढाका गए थे और वहां उन्होंने बांग्लादेश के लोगों से खेद जताया था। दूसरी बार, साल 2000 में जनरल परवेज मुशर्रफ ने बांग्लादेश के दौरे पर 1971 की घटना के लिए अफसोस जताया था। हालांकि, विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने डार के इस दावे को खारिज कर दिया। हुसैन ने मीडिया से कहा कि वह डार के दावे से बिल्कुल सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता तो मुद्दे कब के सुलझ चुके होते।

हुसैन ने कहा कि बांग्लादेश ने चार अनसुलझे मुद्दों पर अपना रुख दोहराया है, जिनमें 1971 के नरसंहार के लिए औपचारिक माफी, आजादी से पहले की संपत्तियों के लिए वित्तीय मुआवजा, जो करीब 4.52 अरब डालर बताया जाता है, बांग्लादेश में फंसे पाकिस्तानियों की स्वदेश वापसी और 1970 में आए चक्रवात के पीड़ितों के लिए मिली विदेशी मदद लौटाई जाए। साथ ही हुसैन ने ये भी कहा कि 54 साल पुराने मामले एक दिन की बैठक में हल नहीं होंगे।

चिनफिंग के आगे ढीले पड़े ट्रंप के तेवर, 6 लाख चीनी छात्रों को वीजा का एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक हैरान करने वाला फैसला लिया है। उन्होंने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में 6 लाख चीनी छात्रों को पढ़ने की इजाजत दे दी है, जबकि उनकी सरकार पहले से ही अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर सख्ती बरत रही थी। लेकिन इसके साथ ही देश के भीतर ट्रंप के फैसले पर विरोध की आवाज उठने लगी है।

ये विरोध उनके खुद के समर्थक कर रहे हैं। दरअसल ये समर्थक मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के समर्थक हैं। इनका मानना है कि ट्रंप ने उन्हें धोखा दे दिया है और अमेरिकी फर्स्ट की नीति को दरकिनार कर दिया है।

चीन के आगे नरम पड़ गए ट्रंप- ट्रंप ने वाशिंगटन और बीजिंग के बीच बेहद अहम रिश्ते की बात कही, जो उनकी पुरानी नीति से बिल्कुल उलट है, जिसमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी या संवेदनशील शोध से जुड़े छात्रों के वीजा रद करने की बात थी।

ट्रंप ने ओवल ऑफिस से पत्रकारों से कहा, ÷हम उनके छात्रों को आने देंगे। यह बहुत जरूरी है, 6 लाख छात्र। यह बहुत जरूरी है। लेकिन हम चीन के साथ अच्छे रिश्ते बनाएंगे।

हालांकि, उन्होंने बीजिंग को चेतावनी भी दी कि अगर अमेरिका को रेयर अर्थ मैग्नेट की सप्लाई नहीं मिली, तो 200 फीसदी टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव का चीनी छात्रों पर कोई असर नहीं होगा और वे अमेरिका में पढ़ाई कर सकेंगे।

अमेरिका के इस शहर में तूफान से परेशान लोग, अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के एरिजोना में मंगलवार को एक खौफनाक आंधी ने मारिकोपा काउंटी को अपनी चपेट में ले लिया। नेशनल वेदर सर्विस ने राज्य के कई इलाकों के लिए धूल तूफान की चेतावनी जारी की थी।

सैन टैन वैली इलाके में इस तूफान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें धूल का विशाल बादल आसमान में छाया हुआ दिखाई दिया। यह तूफान सोमवार को स्थानीय समयानुसार शाम 4ः30 बजे के आसपास फीनिक्स वैली क्षेत्र और पास के पिनाल काउंटी में शुरू हुआ।

NWS ने मारिकोपा और पिनाल काउंटी के कई हिस्सों के लिए चेतावनी जारी की थी। हालांकि इसे शाम पांच बजे के बाद हटा लिया गया।

चेतावनी जारी कर कहा गया, जीरो विजिबिलिटी के लिए तैयार रहें। सड़क से हटें, सुरक्षित रहें। इसमें सलाह दी गई कि जब विजिबिलिटी कम हो जाए, तो गाड़ी को सड़क से दूर ले जाकर पार्क करें, लाइट्स बंद करें और ब्रेक से पैर हटाएं। बच्चों, बुजुर्गों और सांस की बीमारी वालों को खास सावधानी बरतने की हिदायत दी गई।

स्थानीय लोगों ने इस तूफान के कई वीडियो शेयर किए, जिनमें धूल के गुबार ने शहर के आसमान को पूरी तरह अंधेरा कर दिया। सड़कों पर कुछ भी दिखना मुश्किल हो गया, जिससे हालात और डरावने हो गए।

प्रभावित इलाके का क्या है हाल- चेतावनी में ।-10 के पास एवॉन्डेल और गुडइयर, साथ ही ।-10, इंटरस्टेट 17 और यूएस रूट 60 के पास फीनिक्स जैसे इलाकों को शामिल किया गया। ये तूफान उन सड़कों पर खासा खतरनाक साबित हुआ, जहां गाड़ियों की आवाजाही ज्यादा थी।

हबूब एक खास तरह का धूल तूफान है, जो रेगिस्तानी इलाकों, खासकर एरिजोना में मानसून के मौसम में आम है।

कितना खतरनाक है INS उदयगिरि-हिमगिरि? चीन की उड़ी नींद, पाकिस्तान भी हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा करते हुए मंगलवार को दो नई स्टेल्थ फ्रिगेट्स INS हिमगिरि और INS उदयगिरि सौंपी गई है। इन्हें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया।

दोनों जहाज प्रोजेक्ट-17 अल्फा के तहत बनाए गए हैं और इनमें 75त से ज्यादा उपकरण स्वदेशी हैं। यह भारत की रक्षा उत्पादन क्षमता और आत्मनिर्भरता की बड़ी मिसाल है। इससे पहले इसी साल ढ्रहस नीलगिरि को नौसेना में शामिल किया गया था।

किसने किया है निर्माण- इन दोनों युद्धपोतों का निर्माण देश के दो बड़े शिपयार्ड्स ने किया है। हिमगिरि को कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स ने बनाया है और उदयगिरि को मुंबई के मझगांव डॉ शिपबिल्डर्स ने तैयार किया है।

नौसेना ने बताया कि दोनों जहाजों में डिजाइन, स्टेल्थ तकनीक, हथियार और सेंसर सिस्टम में जबरदस्त सुधार किया गया है। ये जहाज किसी भी तरह के समुद्री मिशन को पूरा करने में सक्षम हैं।

मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स ने बनाया है।

लंबाई- 149 मीटर, गति- 28 नॉट (करीब 52 किमी/घंटा)।

हथियार- 48 बराक-8 मिसाइलें, 8 ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलें।

खासियत- P-17A क्लास में सबसे तेजी से तैयार हुआ जहाज।

INS हिमगिरि की खासियतें- कोलकाता के गार्डन रीच शिपबिल्डर्स ने बनाया है।

लंबाई और गति उदयगिरि जैसी है।

हथियार- 32 बराक-8 मिसाइलें, 8 ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइलें।

मरीच टॉरपीडो डिकोय सिस्टम भी लगा है। दोनों में 76 मिमी गन, 30 मिमी और 12.7 मिमी हथियार सिस्टम, एंटी-सबमरीन हथियार भी लगे हैं।

धार्मिक आयोजन में मुस्लिम को क्यों बुलाया..., मैसूरु दशहरा कार्यक्रम में बानू मुश्ताक को बुलाने पर भड़की बीजेपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जानी-मानी लेखिका बानू मुश्ताक को दशहरा के कार्यक्रम में बुलाए जाने को लेकर कर्नाटक में विवाद खड़ा हो गया है।

सिद्दरमैया सरकार ने हाल ही में यह घोषणा की थी कि इस साल मैसूरु में दशहरा समारोह के उद्घाटन के लिए बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक को आमंत्रण भेजा गया है। उनके इस एलान के बाद भाजपा भड़क उठी है।

धर्म को लेकर उठाए सवाल- भाजपा नेता प्रताप सिम्हा ने सवाल उठाए हैं कि एक धार्मिक आयोजन में मुस्लिम को क्यों बुलाया जा रहा है।

सिम्हा ने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से बानू मुश्ताक का सम्मान करता हूं। जब वह अखिल भारत कन्नड़ साहित्य सम्मेलन की अध्यक्षता करती हैं तो यह स्वीकार्य है, लेकिन दशहरा, जो एक हिंदू धार्मिक आयोजन है और जिसकी शुरुआत देवी चामुंडेश्वरी की पूजा से होती है, स्वीकार्य नहीं है। क्या उन्हें चामुंडेश्वरी देवी में आस्था है? क्या वह हमारी परंपराओं का पालन कर रही हैं?

सीएम सिद्दरमैया ने किया था एलान- इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने शुक्रवार को बताया था कि कार्यक्रम के लिए लेखिका को न्योता भेजा जाएगा।

उदयपुर में दर्दनाक हादसा, उफनते नाले में कार गिरने से पांच लोग लापता; दो के शव बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में भयानक हादसा हो गया। दरअसल खेरवाड़ा इलाके में एक कार नाले में गिर गई। इसमें पांच लोग सवार थे। दो लोग बच गए, जबकि तीन लापता हैं। देर रात दो लापता लोगों के शव बरामद हुए। खेरवाड़ा के थानाधिकारी दलपत सिंह ने इस घटना की जानकारी देते हुए कहा, ये हादसा खेरवाड़ा इलाके में हुई है। कार में कुल पांच लोग सवार थे। दो लोग बच गए थे लेकिन बाकी तीन लोग नाले में लापता हो गए थे। इसके बाद छानबीन के बाद दो लापता लोगों का शव मिला है जबकि एक लापता शख्स अब भी नहीं ढूंढा जा सका है।

बारिश के वजह से नदी-नाले उफान पर- राजस्थान में पिछले चार दिनों से हो रही भारी वर्षा ने किसानों आमजन और सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक जिलों के अधिकतर इलाके जलमग्न हो गए हैं। कई गांवों और शहरों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। शहरों के नदी-नाले अपने उफान पर हैं।

सवाई माधोपुर, कोटा, बूंदी, टोंक, दौसा, उदयपुर, झालावाड़ और सीकर में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। सोमवार को प्रदेश के 18 जिलों में स्कूल बंद रहे। कोटा विश्वविद्यालय की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। सवाई माधोपुर और कोटा में तीन सौ से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

छेड़छाड़ इसलिए होती है क्योंकि..., आवारा कुत्तों पर विवाद के बीच चेन्नई पुलिस का हैरान करने वाला बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई के तिरुवनमियुर इलाके में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने और उनकी देख रेख करने मुद्दे पर एक पुलिसकर्मी और एक महिला के बीच विवाद खड़ा हो गया। महिला से बहस के दौरान पुलिसकर्मी ने कहा कि अगर वह उन्हें खाना नहीं खिलाएगी तो कुत्ते अपने आप आना बंद कर देंगे।

महिला ने दावा किया वो ऐसा बीते दो दशकों से कर रही है। पुलिसकर्मी से बहस के दौरान महिला ने अपने फोन से वीडियो बनाया जिसमें पुलिसकर्मी महिला की चाची के 2024 में साथ हुई छेड़छाड़ की घटना का हवाला देते हुए कह रहा है कि अगर आप आधी रात को कुत्तों को खाना खिलाते हुए समुद्र तट पर टहलते हैं, तो उत्पीड़न होना तय है। अगर आप कुत्तों को खाना खिलाने आते हैं, तो हम आपको गिरफ्तार कर लेंगे और पुलिस स्टेशन ले जाएंगे।

शिकायत के बाद भी एक्शन नहीं- महिला ने कहा कि मेरे बार-बार शिकायत करते के बावजूद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। साथ ही महिला ने पशु जन्म नियंत्रण कानून के तहत आवारा कुत्तों की नसबंदी न करने के लिए शहर के अधिकारियों की भी आलोचना की। इसके बाद महिला ने पुलिसकर्मी के व्यवहार और जानवरों को खाना न देने की मांग करने के उसके अधिकार पर सवाल उठाया।

आवारा कुत्तों संख्या बढ़ी- उसने बताया कि शहर के अधिकारियों द्वारा आवारा कुत्तों की नसबंदी न करने के कारण इलाके में उनकी संख्या बढ़ गई है और कुत्तों को भी समुद्र तट पर छोड़ दिया गया है।

पुलिसकर्मी के बयान की निंदा- मीडिया आउटलेट्स के अनुसार, कार्तिक ने बाद में दावा किया कि उनका आशय यह था कि अगर महिला आधी रात के बाद सड़कों पर दिखाई दी तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जांच और मांस खींचने की इजाजत नहीं..., NGT के किस आदेश पर भड़का सुप्रीम कोर्ट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के शीर्ष न्यायालय ने एनजीटी के उस आदेश पर आपत्ति जताई है, जिसमें पर्यावरण मानदंडों का उल्लंघन करने वाली मुरादाबाद स्थित हस्तशिल्प निर्यातक कंपनी पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

दरअसल, मामले से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायालय ने इसके साथ ही कहा कि देश का कानून राज्य या किसी भी जांच एजेंसी को पर्यावरण संबंधी मामलों में किसी का मांस खींचने की अनुमति नहीं देता।

मुरादाबाद की कंपनी से जुड़ा है मामला- बता दें कि शीर्ष अदालत ने पर्यावरण मानदंडों के कथित उल्लंघन के लिए मुरादाबाद स्थित हस्तशिल्प निर्यातक सीएल गुप्ता एक्सपोर्ट लिमिटेड पर जुर्माना लगाने वाले एनजीटी के लंबे फैसले की भी आलोचना की।

वहीं, 22 अगस्त को अपने फैसले में शीर्ष न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि अगर कंपनी ने नियमों का उल्लंघन किया, तो उसके कारोबार के आधार पर लगाया गया जुर्माना कानूनी आधार से रहित था।

एनजीटी के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई आपत्ति- मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण मापदंडों के कथित उल्लंघन के लिए इस कंपनी पर जुर्माना लगाने वाले एनजीटी के 145 पन्नों के फैसले की आलोचना भी की। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि विवेक का इस्तेमाल उपयोग के लाए गए पन्नों की संख्या के अनुपात में नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने एनजीटी को दी नसीहत- शीर्ष न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि न्यायिक निर्णय की मूल आत्मा विवेकपूर्ण विचार है और अदालतों व अधिकरणों को केवल सामान्य रूप से कानून का उल्लेख करने वाले भाषणात्मक रुख अपनाने से बचना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इससे अधिक कुछ नहीं कह सकते एवं एनजीटी के आदेश को ऊपर उल्लेखित सीमा तक निरस्त करने वाली अपील को स्वीकार करते हैं।

अगर शांति चाहते हैं, तो युद्ध के लिए तैयार रहें; रण संवाद में CDS अनिल चौहान का पाकिस्तान को संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने मध्य प्रदेश में आर्मी वॉर कॉलेज में आयोजित प्रथम त्रि-सेवा संगोष्ठी, रण संवाद को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय राष्ट्र है, लेकिन वह शांतिवादी नहीं हो सकता।

इस कार्यक्रम में अपना संबोधन देते हुए सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने युद्ध की तकनीकों और रणनीति के विश्लेषण पर अकादमिक गतिविधियों का भी आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को भी सीधा संदेश दे दिया।

सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर होने की आवश्यता-सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि एक विकसित भारत के रूप में, हमें न केवल तकनीक में, बल्कि विचारों और व्यवहार में भी सशस्त्र, सुरक्षित और आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है। इसलिए, हमारे समाज के सभी वर्गों में सैद्धांतिक और वैचारिक पहलुओं, यानी युद्ध कैसे लड़ा जाता है, इसकी अकादमिक खोज और व्यावहारिक तथा वास्तविक युद्ध तकनीकों और रणनीतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है।

इसके अलावा, ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय राष्ट्र है, लेकिन वह शांतिवादी नहीं हो सकता। सीडीएस ने कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है। हम एक शांतिप्रिय राष्ट्र हैं, लेकिन गलतफहमी में न रहें, हम शांतिवादी नहीं हो सकते। मेरा मानना है कि शक्ति के बिना शांति एक काल्पनिक कल्पना है। मैं एक लैटिन उद्धरण कहना चाहूंगा जिसका अनुवाद है, यदि आप शांति चाहते हैं, तो युद्ध के लिए तैयार रहें।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

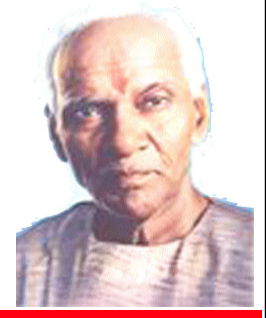

विक्रम संवत 2079 शुक्ल चतुर्थी

संपादकीय

सर्वप्रथम पूजा के अधिकारी भगवान गणेश की उपासना...

सर्वप्रथम पूजा के अधिकारी भगवान गणेश की उपासना, आराधना एवं पूजा भारत के कोने-कोने में होती है। शैव मत के धर्मावलम्बी उन्हें भगवान शिव का पुत्र मानते हैं तो वैष्णव एवं शाक्त मतों के धर्मावलम्बी उनकी उपासना एवं आराधना लक्ष्मी के साथ करते हैं। गणेश का शाब्दिक अर्थ होता है गुणों अर्थात् समुदायों के अधिपति (अर्थात् गणपति)। पर व्यावहारिक रूप में भगवान गणेश को गुणों का अधिपति माना जाता है। वे बुद्धि, विवेक, ज्ञान, कौशल, बल एवं साहस के भी देवता माने जाते हैं। गणेशजी का स्वरूप उनके गुणों का ही प्रतिनिधित्व करता है। जैसे वह मूषक (चूहे) पर सवारी करते हैं। चूहे छुपकर अनाज खाकर मानव के खाद्य पदार्थों को क्षति पहुंचाते हैं और इस तरह राष्ट्र की समृद्धि को नुकसान पहुंचाते हैं। गणेश जी की मूषक सवारी का अर्थ यह हुआ कि राष्ट्र की समद्धि को क्षति पहुंचाने वालों पर हमारा पूरा नियंत्रण होना चाहिए। गणेश के कान बड़े होते हैं। इसका अर्थ यह हुआ कि हममें सबकी बातें सुनने का गुण होना चाहिए। गणेश जी को लम्बोदर कहा जाता है, इसका अर्थ यह है कि वे सबकी बात सुनते हैं और इन बातों को उदरस्थ कर जाते हैं, पर जो भी करते हैं अपने बुद्धि और विवेक से करते हैं। गणेश जी मस्तक पर चंद्रमा धारण करते हैं, इसका अर्थ यह है कि हमें किसी बात पर विचार करते समय ठंडे मस्तक से विचार करना चाहिए। गणराज्य शब्द की उत्पत्ति भी गणेश के बहुत निकट है। पौराणिक संदर्भों के अनुसार उन्हें भगवान शिव के भक्तों का स्वामी माना गया है। गण (प्रजा) के स्वामी के रूप में उनका स्वरूप या आकृति आदर्श है। गणपति या गणेश का विशाल मस्तक उनके बुद्धिमान होने का प्रतीक है। वैसे भी हाथी को सबसे अधिक बुद्धिमान प्राणी माना गया है। गणेश जी का हाथी के समान मस्तक इस बात का प्रतीक है कि प्रजा के नायक को बुद्धिमान होना चाहिए। उनके विशाल कान इस तथ्य के प्रतीक हैं कि गणनायक को प्रत्येक बात की सूचना प्राप्त करने की कुशलता होना चाहिये। गणेश का स्वरूप चतुर्भुज है। वे एक हाथ में त्रिशूल, दूसरे हाथ में मोदक, तीसरे हाथ में पुस्तक तथा चौथे हाथ में कमल का फूल धारण करते हैं। अब ये चार हाथ और उनमें धारण की गई वस्तुएं भी विविध गुणों का प्रतिनिधित्व करती हैं। त्रिशूल का अर्थ है कि वे रक्षक हैं मोदक का अर्थ है खाद्य साम्रगी, पुस्तक का अर्थ है ज्ञान तथा कमल पुष्प का अर्थ है कोमलता। इसका सीधा अर्थ यह है कि प्रजानायक या गुणनायक को रक्षक, खाद्य पदार्थों का दाता, ज्ञान देने वाला तथा कोमल हृदय का होना चाहिए।

उत्तर से लेकर दक्षिण तक तथा पूर्व से लेकर पश्चिम तक जिन गणेश जी की उपासना, आराधना एवं वंदना की जाती है तथा प्रत्येक शुभ एवं मंगल कार्य में सर्वप्रथम जिनकी पूजा की जाती है, उनकी उत्पत्ति, स्वरूप, गुण, धर्म एवं कर्म की अनेक गाथाएं भारतीय ग्रंथों में मिलती हैं। उन्हें शिव एवं पार्वती का पुत्र मानते हुए जहां कुछ विद्वान उन्हें द्रविड़ों का देवता मानते हैं, वहीं आर्यों के प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद एवं यजुर्वेद में भी उनकी वंदना की गई है। गणेश जी को गुणों का स्वामी माना जाता है, इसलिए उन्हें बुद्धि का दाता कहा जाता है। उनकी पत्नियों के नाम भी बुद्धि और सिद्धि कहे गए हैं। महाभारत को लिपिबद्ध करने के बारे में एक कथा है कि वेद व्यास ने इसे बोला तथा भगवान गणेश ने लिपिबद्ध किया। तब महाभारत के श्लोकों को समझने में बुद्धि ने ही अपने पति गणेश जी की सहायता की थी। गणेश जी के दो पुत्र भी माने जाते हैं, शुभ और लाभ। गणेश सिर्फ हिन्दुओं के ही देवता नहीं हैं।ैन धर्म में भी उनकी वंदना की गई है।

गणेश चतुर्थी

गणेश चतुर्थी हिन्दुओं का त्योहार है, जो भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी के दिन मनाया जाता है। वैसे तो प्रत्येक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी, गणेश के पूजन और उनके नाम का व्रत रखने का विशिष्ट दिन है। श्री गणेश विघ्न विनायक हैं। ये देव समाज में सर्वोपरि स्थान रखते हैं। भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को मध्याह्न के समय गणेश जी का जन्म हुआ था। भगवान गणेश बुद्धि के देवता हैं। गणेश जी का वाहन चूहा है। ऋद्धि व सिद्धि गणेश जी की दो पत्नियां हैं। इनका सर्वप्रिय भोग लड्डू हैं। प्राचीन काल में बालकों का विद्या-अध्ययन आज के दिन से ही प्रारम्भ होता था। आज बालक छोटे-छोटे डण्डों को बजाकर खेलते हैं। यही कारण है कि लोकभाषा में इसे डण्डा चौथ भी कहा जाता है।

कैसे मनाएँ

इस दिन प्रातःकाल स्नानादि से निवृत्त होकर सोने, तांबे, मिट्टी अथवा गोबर की गणेश जी की प्रतिमा बनाई जाती है। गणेश जी की इस प्रतिमा को कोरे कलश में जल भरकर, मुंह पर कोरा कपड़ा बांधकर उस पर स्थापित किया जाता है। फिर मूर्ति पर (गणेश जी की) सिन्दूर चढ़ाकर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए।

गणेश जी को दक्षिणा अर्पित करके 21 लड्डुओं का भोग लगाने का विधान है। इनमें से 5 लड्डू गणेश जी की प्रतिमा के पास रखकर शेष ब्राह्मणों में बांट देने चाहिए। गणेश जी की आरती और पूजा किसी कार्य को प्रारम्भ करने से पहले की जाती है और प्रार्थना करते हैं कि कार्य निर्विघ्न पूरा हो।

गणेश जी का पूजन सायंकाल के समय करना चाहिए। पूजनोपरांत दृष्टि नीची रखते हुए चंद्रमा को अर्घ्य देकर, ब्राह्मणों को भोजन कराकर दक्षिणा भी देनी चाहिए।

इस प्रकार चंद्रमा को अर्घ्य देने का तात्पर्य है कि जहां तक संभव हो आज के दिन चंद्रमा के दर्शन नहीं करने चाहिए। क्योंकि इस दिन चंद्रमा के दर्शन करने से कलंक का भागी बनना पड़ता है। फिर वस्त्र से ढका हुआ कलश, दक्षिणा तथा गणेश जी की प्रतिमा आचार्य को समर्पित करके गणेश जी के विसर्जन का विधान उत्तम माना गया है।

गणेश जी का यह पूजन करने से विद्या, बुद्धि की तथा ऋद्धि-सिद्धि की प्राप्ति तो होती ही है, साथ ही विघ्न-बाधाओं का भी समूल नाश हो जाता है।

गणेश चतुर्थी की कथा

एक बार भगवान शंकर स्नान करने के लिए कैलाश पर्वत से भोगावती नामक स्थान पर गए। उनके जाने के बाद पार्वती ने स्नान करते समय अपने तन के मैल से एक पुतला बनाया और उसे सतीव कर दिया। उसका नाम उन्होंने गणेश रखा। पार्वती जी ने गणेश जी से कहा- हे पुत्र! तुम एक मुद्गर लेकर द्वार पर जाकर पहरा दो। मैं भीतर स्नान कर रही हूं। इसलिए यह ध्यान रखना कि जब तक मैं स्नान न कर लूं,तब तक तुम किसी को भीतर मत आने देना। उधर थोड़ी देर बाद भोगावती में स्नान करने के बाद जब भगवान शिव जी वापस आए और घर के अंदर प्रवेश करना चाहा तो गणेश जी ने उन्हें द्वार पर ही रोक दिया।इसे शिवजी ने अपना अपमान समझा और क्रोधित होकर उसका सिर, धड़ से अलग करके अंदर चले गए। टेढ़ी भृकुटि वाले शिवजी जब अंदर पहुंचे तो पार्वती जी ने उन्हें नाराज़ देखकर समझा कि भोजन में विलम्ब के कारण महादेव नाराज़ हैं। इसलिए उन्होंने तत्काल दो थालियों में भोजन परोसकर शिवजी को बुलाया और भोजन करने का निवेदन किया। तब दूसरी थाली देखकर शिवजी ने पार्वती से पूछा-यह दूसरी थाली किस के लिए लगाई है? इस पर पार्वती जी बोली- अपने पुत्र गणेश के लिए, जो बाहर द्वार पर पहरा दे रहा है।

यह सुनकर शिवजी को आश्चर्य हुआ और बोले- तुम्हारा पुत्र पहरा दे रहा है? किंतु मैंने तो अपने को रोके जाने पर उसका सिर धड़ से अलग कर उसकी जीवन लीला समाप्त कर दी। यह सुनकर पार्वतीजी बहुत दुखी हुईं और विलाप करने लगीं। उन्होंने शिवजी से पुत्र को पुनर्जीवन देने को कहा। तब पार्वती जी को प्रसन्न करने के लिए भगवान शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर काटकर उस बालक के धड़ से जोड़ दिया। पुत्र गणेश को पुनः जीवित पाकर पार्वती जी बहुत प्रसन्न हुईं। उन्होंने पति और पुत्र को भोजन कराकर फिर स्वयं भोजन किया। यह घटना भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को घटित हुई थी। इसलिए यह तिथि पुण्य पर्व के रूप में मनाई जाती है।

कथा

शिवपुराण के अन्तर्गत रुद्रसंहिताके चतुर्थ (कुमार) खण्ड में यह वर्णन है कि माता पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपनी मैल से एक बालक को उत्पन्न करके उसे अपना द्वार पाल बना दिया। शिवजी ने जब प्रवेश करना चाहा तब बालक ने उन्हें रोक दिया। इस पर शिवगणोंने बालक से भयंकर युद्ध किया परंतु संग्राम में उसे कोई पराजित नहीं कर सका। अन्ततोगत्वा भगवान शंकर ने क्रोधित होकर अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। इससे भगवती शिवा क्रुद्ध हो उठीं और उन्होंने प्रलय करने की ठान ली। भयभीत देवताओं ने देवर्षिनारद की सलाह पर जगदम्बा की स्तुति करके उन्हें शांत किया।

शिवजी के निर्देश पर विष्णुजीउत्तर दिशा में सबसे पहले मिले जीव (हाथी) का सिर काटकर ले आए। मृत्युंजय रुद्र ने गज के उस मस्तक को बालक के धड पर रखकर उसे पुनर्जीवित कर दिया। माता पार्वती ने हर्षातिरेक से उस गज मुख बालक को अपने हृदय से लगा लिया और देवताओं में अग्रणी होने का आशीर्वाद दिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्रपूज्यहोने का वरदान दिया। भगवान शंकर ने बालक से कहा- गिरिजानन्दन! विघ्न नाश करने में तेरा नाम सर्वोपरि होगा। तू सबका पूज्य बनकर मेरे समस्त गणों का अध्यक्ष हो जा। गणेश्वर तू भाद्रपद मास के कृष्णपक्ष की चतुर्थी को चंद्रमा के उदित होने पर उत्पन्न हुआ है। इस तिथि में व्रत करने वाले के सभी विघ्नों का नाश हो जाएगा और उसे सब सिद्धियां प्राप्त होंगी। कृष्णपक्ष की चतुर्थी की रात्रि में चंद्रोदय के समय गणेश तुम्हारी पूजा करने के पश्चात् व्रती चंद्रमा को अ?र्घ्य देकर ब्राह्मण को मिष्ठान खिलाए। तदोपरांत स्वयं भी मीठा भोजन करे। वर्ष पर्यन्त श्रीगणेश चतुर्थी का व्रत करने वाले की मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

दूसरी कथा

एक बार महादेवजी, पार्वती सहित नर्मदा के तट पर गए। वहाँ एक सुंदर स्थान पर पार्वती जी ने महादेवजी के साथ चौपड़ खेलने की इच्छा व्यक्त की। तब शिवजी ने कहा- हमारी हार-जीत का साक्षी कौन होगा? पार्वती ने तत्काल वहाँ की घास के तिनके बटोरकर एक पुतला बनाया और उसमें प्राण-प्रतिष्ठा करके उससे कहा- बेटा ! हम चौपड़ खेलना चाहते हैं, किन्तु यहाँ हार-जीत का साक्षी कोई नहीं है। अतः खेल के अन्त में तुम हमारी हार-जीत के साक्षी होकर बताना कि हममें से जीता, कौन हारा?

खेल आरंभ हुआ। दैवयोग से तीनों बार पार्वती जी ही जीतीं। जब अंत में बालक से हार-जीत का निर्णय कराया गया तो उसने महादेवजी को विजयी बताया। परिणामतः पार्वती जी ने क्रुद्ध होकर उसे एक पाँव से लंगड़ा होने और वहाँ के कीचड़ में पड़ा रहकर दुःख भोगने का श्राप दे दिया।[4] बालक ने विनम्रतापूर्वक कहा- माँ! मुझसे अज्ञानवश ऐसा हो गया है। मैंने किसी कुटिलता या द्वेष के कारण ऐसा नहीं किया। मुझे क्षमा करें तथा शाप से मुक्ति का उपाय बताएँ। तब ममतारूपी माँ को उस पर दया आ गई और वे बोलीं- यहाँ नाग-कन्याएँ गणेश-पूजन करने आएँगी। उनके उपदेश से तुम गणेश व्रत करके मुझे प्राप्त करोगे। इतना कहकर वे कैलाश पर्वत चली गईं।

एक वर्ष बाद वहाँ श्रावण में नाग-कन्याएँ गणेश पूजन के लिए आईं। नाग-कन्याओं ने गणेश व्रत करके उस बालक को भी व्रत की विधि बताई। तत्पश्चात बालक ने 12 दिन तक श्रीगणेशजी का व्रत किया। तब गणेशजी ने उसे दर्शन देकर कहा- मैं तुम्हारे व्रत से प्रसन्न हूँ।

ये हैं शेयर बाजार में गिरावट के कारण, अहम लेवल से नीचे फिसला Nifty

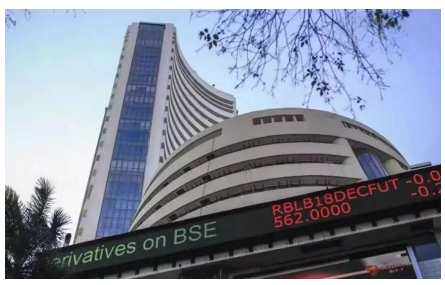

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 अगस्त को शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुआ है। निराश करने वाली बात है कि निफ्टी50, 24800-24850 के अपने अहम लेवल को तोड़कर 24700 के स्तर पर बंद हुआ है। मार्केट में आई इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण ट्रंप टैरिफ है। दरअसल, अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ को लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है, जो 27 अगस्त से प्रभावी हो जाएगा। इसके बाद भारत से आयात होने वाले सामानों पर टैरिफ की दर 50 फीसदी हो जाएगी।

मंगलवार को बाजार के सभी सेक्टर में बिकवाली हावी रही, सिर्फ एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। सन फार्मा, श्रीराम फाइनेंस, टाटा स्टील, डॉ रेड्डीज और कोल इंडिया समेत अन्य शेयर निफ्टी50 के टॉप लूजर रहे। आइये आपको बताते हैं 26 अगस्त को बाजार में हुई गिरावट के बड़े कारण क्या हैं।

बाजार की गिरावट के 5 बड़े कारण

टैरिफ से जुड़ी चिंताएं- शेयर बाजार में ऊपरी स्तरों से हावी बिकवाली का सबसे बड़ा कारण अमेरिका की ओर से लगाए जाने वाला अतिरिक्त टैरिफ है जो 25 फीसदी है। ऐसे में अब भारतीय कंपनियों को आयात पर 50 फीसदी टैरिफ चुकाना होगा। इस बारे में अमेरिकी सरकार ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है।

कमजोर वैश्विक संकेत- एशिया समेत इंटरनेशनल मार्केट से मिले कमजोर संकेत भी मार्केट में बिकवाली की वजह बने हैं। 26 अगस्त को जापान का निक्केई 225, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, हांगकांग का हैंग सेंग और शंघाई का एसएसई कंपोजिट लाल निशान में रहे। इसके अलावा, अमेरिकी फ्यूचर्स भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं।

FIIs की भारी बिकवाली- भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे हैं सोमवार को एफआईआई ने 2466 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए थे और मंगलवार को भी बिकवाली का यह सिलसिला जारी रहा। एक्सपर्ट्स का मानना है कि विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली बाजार के लिए कई सेशन से चिंता का कारण बनी हुई है।

7 दिन से इस पेनी शेयर में लग रहा अपर सर्किट, 16 रुपये के नीचे है कीमत, 22 को अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेनी शेयर-ओसिया हाइपर रिटेल में मंगलवार को तूफानी तेजी देखी गई। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन इस शेयर में करीब 5 पर्सेंट का अपर सर्किट लगा और भाव 16 रुपये से नीचे है। यह लगातार सातवां कारोबारी दिन है जब स्मॉल-कैप शेयर में अपर सर्किट लगा। पिछले पांच कारोबारी सत्रों में इस शेयर में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, छह महीनों में यह करीब 40 प्रतिशत गिर चुका है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 50.45 रुपये है। शेयर के 52 हफ्ते का लो 11.31 रुपये है। बता दें कि इसी 14 अगस्त को शेयर ने अपने लो को देखा था।

दरअसल, ओसिया हाइपर रिटेल ने बताया कि कंपनी के बोर्ड ने अधिकृत शेयर पूंजी को 500,00,00,000 तक बढ़ाने और क्यूआईपी, अधिमान्य आवंटन और परिवर्तनीय वारंट के माध्यम से इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि उसके बोर्ड ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशंस प्लेसमेंट के माध्यम से 200,00,00,000 तक के इक्विटी शेयर जारी करके और तरजीही आधार पर 100,00,00,000 तक की कुल राशि के लिए फंड जुटाने को मंजूरी दे दी है। कंपनी तरजीही आधार पर ?350,00,00,000 तक की कुल राशि के लिए परिवर्तनीय वारंट भी जारी करेगी।

आप भी अमेजन-फ्लिपकार्ट से BNPL स्कीम में खरीदते हैं सामान

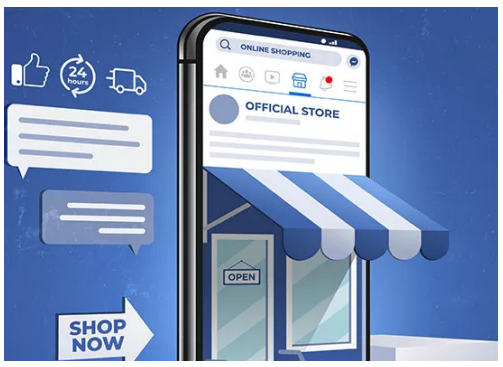

देश में हर दिन करोड़ों लोग ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन और फ्लिपकार्ट से सामान मंगाते हैं। खास बात है कि यहां आम दुकान के मुकाबले पेमेंट करने के कई ऑप्शन मिलते हैं, इनमें से एक BNPL होता है। पिछले कुछ सालों में इस पेमेंट ऑप्शन का क्रेज लोगों के अंदर तेजी से बढ़ा है। क्योंकि, इसमें क्रेडिट कार्ड की तरह सुविधा मिलती है। आप प्रोडक्ट खरीद लीजिए और उसका पेमेंट एक तय समय सीमा के अंदर कर दीजिए।

छोटी-सी उधारी के बड़े नुकसान- बीएनपीएल, एक प्रकार छोटी-सी उधारी है, जो बिना किसी कागजी कार्यवाही के हो जाती है। इसमें भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड की तरह ही 15-45 दिनों की इंटरेस्ट-फ्री लोन अवधि भी है, इसलिए यह पेमेंट ऑप्शन लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय है।

हालांकि, कई यूजर्स अब भी यह जानना चाहते हैं कि क्या बीएनपीएल भुगतान में चूक आपके क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करती है? आइये आपको देते हैं इसका जवाब

चूंकि, बाय नाऊ पे लेटर एक क्रेडिट फैसिलिटी है इसलिए इसके पेमेंट में चूक या देरी से आपका क्रेडिट स्कोर प्रभावित होता है। दरअसल, बीएनपीएल लोन की रिपोर्ट भी क्रेडिट ब्यूरो को जाती है। आपके द्वारा लिया गया कोई भी BNPL लोन आपकी क्रेडिट रिपोर्ट में क्रेडिट लाइन के रूप में दिखाई देता है।

लेकिन, अगर आप BNPL पेमेंट समय पर नहीं करते हैं, तो आपसे लेट फीस ली जाती है। वहीं, ज्यादा देरी होने पर कलेक्शन एजेंसी आपसे और मोटा फाइन व इंटरेस्ट वसूल सकती हैं और इसका बुरा असर आपके क्रेडिट स्कोर पर पड़ता है। लेट फीस व ब्याज के अलावा, BNPL का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि व्यक्ति को फिजूलखर्च की आदत लग जाती है और वह कर्ज का शिकार हो सकता है।

बेहतर ढंग से कैसे करें BNPL का इस्तेमाल- Buy Now Pay Later, एक सुविधाजनक पेमेंट ऑप्शन है बशर्ते कि आप इसका इस्तेमाल सही तरीके से करें, खास तौर पर लेट फीस और इंटरेस्ट से बचने के लिए सभी भुगतान समय पर कर दें।

चीन की धरती से दुनिया देखेगी पावर शो, जब 20 दोस्त ट्रंप का बिगाड़ेंगे खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जो बुधवार देर रात से लागू होगी। ट्रंप ने दावा किया है कि अगर कोई देश रूस से तेल खरीदता है, तो उसे कड़े टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस समय विश्व भर में टैरिफ युद्ध शुरू कर दिया है, और लगातार धमकी भी दे रहे है। सोमवार को ही उन्होंने चीन पर 200 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इस बीच, दुनिया के 20 देशों के प्रमुख एक मंच पर एकत्र होंगे। संभावना है कि चीन की धरती से अमेरिकी टैरिफ मिसाइल का करारा जवाब दिया जाएगा। इस शक्ति प्रदर्शन में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी शामिल होंगे। चीन के तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान जब 20 दिग्गज एक साथ नजर आएंगे, तो अमेरिका तनाव में आ जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप की नींद भी उड़ जाएगी।

चीन के सहायक विदेश मंत्री लियू बिन ने बताया कि एससीओ बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य देशों के कई प्रमुख शामिल होंगे। यह आयोजन चीन के तियानजिन शहर में होगा। बता दें कि इस दो दिवसीय समिट (31 अगस्त से 1 सितंबर) में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और नौ अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भी हिस्सा लेंगे।

Home Loan ट्रांसफर के फायदों के साथ हैं नुकसान भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या आप होम लोन चुका रहे हैं? अगर हां, तो आपको पता होगा कि कई तरह के उतार-चढ़ाव के चलते होम लोन की ब्याज दरें समय-समय पर बदलती हैं। इसीलिए घर के मालिक हमेशा कम ब्याज दरों वाली बेहतर डील की तलाश में रहते हैं। एक ऑप्शन, जो होम लोन उधारकर्ताओं के लोन की ब्याज दर को घटाकर उनकी श्वस्ध्र कम कर सकता है, वो है होम लोन की बकाया राशि को एक बैंक या लोन कंपनी से दूसरे में ट्रांसफर करना।

सुनने में यह ऑप्शन अच्छा लग सकता है, लेकिन ऐसा कोई भी कदम उठाने से पहले होम लोन ट्रांसफर के फायदे और नुकसान को समझना जरूरी है।

होम लोन ट्रांसफर के क्या हैं फायदे

कम ब्याज दर का फायदा- लोन बैलेंस ट्रांसफर का ऑप्शन चुनने का एक प्रमुख कारण कम ब्याज दरों का लाभ है। आप किसी बैंक से (जो आपके मौजूदा लोन की ब्याज दर से कम दर पर लोन ऑफर कर रहा हो) कॉन्टैक्ट करके, अपने लोन को उसके पास ट्रांसफर करा सकते हैं।

क्रेडिट स्कोर में सुधार - बैलेंस ट्रांसफर का एक और फायदा आपके क्रेडिट स्कोर में सुधार होना है। बेहतर शर्तों की पेशकश करने वाले बैंक या लोन कंपनी के पास अपना होम लोन ट्रांसफर करके, आप जिम्मेदार फाइनेंशियल मैनेजमेंट का प्रदर्शन करते हैं, जिसका आपकी क्रेडिट एलिजिबिलिटी पर पॉजिटिव प्रभाव पड़ सकता है।

लोन जल्दी चुकाने में मदद- बैलेंस ट्रांसफर का असल मकसद आपके पैसे बचाना है। ब्याज दरें कम होने से, आपका होम लोन अधिक किफायती हो जाता है, जिससे इसे चुकाना आसान हो जाता है। इससे आप पहले से ही बजट बना सकते हैं और प्री-पेमेंट की योजना बना सकते हैं, जिससे ब्याज का भुगतान और कम हो सकता है और आपको लोन जल्दी चुकाने में मदद मिल सकती है।

चार्ज और फीस- यह जानना जरूरी है कि बैलेंस ट्रांसफर से जुड़े कई शुल्क और फीस होती हैं। अगर आप सावधान नहीं हैं, तो ये कॉस्ट बढ़ सकती हैं और आपके ट्रांसफर ऑप्शन को महंगा बना सकती हैं।

खुलते ही मची लूट, कुछ ही घंटे में 100% सब्सक्राइब हुआ सस्ता IPO

नई दिल्ली (एजेंसी)। विक्रन इंजीनियरिंग आईपीओ को पहले दिन ही अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यह आईपीओ खुलने के कुछ ही घंटों के अंदर पूरा 100 प्रतिशत सब्सक्राइब किया जा चुका था। 3.52 बजे तक के डाटा के अनुसार इस आईपीओ को आज 2.05 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, रिटेल कैटगरी में आईपीओ को 2.14 गुना सब्सक्राइब किया गया है। क्यूआईबी कैटगरी में पहले दिन 42 प्रतिशत और एनआईआई कैटगरी में 4.03 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। बता दें, विक्रन इंजीनियरिंग आईपीओ पर अभी 29 अगस्त तक दांव लगाने का मौका मिलेगा।

विक्रन इंजीनियरिंग आईपीओ का प्राइस बैंड 92 रुपये से 97 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने 148 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14356 रुपये का दांव लगाना होगा। बता दें, कंपनी का आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए 25 अगस्त को खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 231.60 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

डिंडौरी में हाथी का आतंक... घर में सो रहे बुजुर्ग को सूंड से उठाकर पटका, ग्रामीणों ने बचाई जान

डिंडौरी। जिले के वन परिक्षेत्र करंजिया अंतर्गत वनग्राम बांग्ला दादर में सोमवार की दरम्यानी रात हाथियों का आतंक सामने आया। छत्तीसगढ़ से भटककर आया एक नर हाथी गांव में घुस आया और उसने एक ग्रामीण को बुरी तरह घायल कर दिया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार बांग्ला दादर निवासी भदरू पिता शंकर उम्र 60 वर्ष अपने झोपड़ीनुमा घर में सो रहे थे। आधी रात को अचानक मवेशियों की आहट सुनकर वे बाहर निकले। तभी सामने खड़ा हाथी उन पर टूट पड़ा और अपनी सूंड से उन्हें उठा कर करीब पांच मीटर दूर पटक दिया। घटना में भदरू गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण एकत्रित हुए और किसी तरह घायल को झोपड़ी से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। ग्रामीणों ने 100 डायल और 108 एम्बुलेंस को भी बुलाने की कोशिश की, लेकिन समय पर वाहन उपलब्ध न हो पाने से घायल को वन विभाग ने प्राइवेट वाहन से करंजिया अस्पताल पहुंचाया।

प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने गंभीर हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल डिंडौरी रेफर कर दिया।छत्तीसगढ़ से आया था हाथी

वन विभाग सूत्रों के अनुसार नर हाथी छत्तीसगढ़ के अचानकमार टाइगर रिजर्व क्षेत्र के ओरा पानी से भटककर बांग्ला दादर पहुंचा था। घटना को अंजाम देने के बाद हाथी कक्ष क्रमांक 781 से होता हुआ पुनः छत्तीसगढ़ की ओर लौट गया। हालांकि, अब भी उसके क्षेत्र में दोबारा आने की आशंका बनी हुई है।

दहशत में है क्षेत्र के ग्रामीण

घटना के बाद से बांग्ला दादर, दक्षिण चौरा दादर और आसपास के वन ग्रामों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों का आतंक नया नहीं है, लेकिन हर बार वन विभाग की तैयारियां अधूरी नजर आती हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि जब तक हाथियों की आवाजाही पूरी तरह बंद न हो, तब तक प्रभावित गांवों में स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जाए। वन विभाग ने किया सतर्क

वन विभाग करंजिया ने घटना के बाद गांव और उसके आसपास के जंगलों में गश्त तेज कर दी है। विभाग द्वारा ग्रामीणों को सतर्क रहने, रात में अकेले न निकलने और कच्चे मकानों की बजाय सुरक्षित पक्के मकानों में शरण लेने की अपील की जा रही है। साथ ही अस्थायी कैंप लगाकर निगरानी बढ़ा दी गई है।

गौरतलब है कि कि पिछले कुछ वर्षों से करंजिया क्षेत्र के जंगलों में छत्तीसगढ़ से आने वाले हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। हाथियों के झुंड आए दिन खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार ग्रामीणों पर हमला भी कर चुके हैं।

वन विभाग के पास सीमित संसाधनों के कारण इन पर काबू पाना चुनौती बन गया है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि हाथियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में स्थायी बैरिकेडिंग, वॉच टावर और आपातकालीन मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

जीतू पटवारी के बयान पर सीएम ने लगाई फटकार, कहा- बेशर्मी की भी हद होती है

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के महिलाओं पर दिए बयान पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने न केवल नाराजगी जाहिर की है, बल्कि उन्हें जमकर फटकारा भी है। सीएम डॉ. यादव ने कहा है कि कांग्रेस ने प्रदेश की लाड़ली बहनों को शराबी बताकर उनका घोर अपमान किया है। जनता इस अपमान का हिसाब चुकाएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने महिलाओं पर टिप्पणी कर अपनी छोटी मानसिकता को दर्शाया है। यही कांग्रेस का चाल-चरित्र है। उसने कभी महिलाओं का सम्मान नहीं किया। सीएम डॉ. यादव ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को माफी मांगने और पटवारी को पद से हटाने की मांग की है। गौरतलब है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने हाल ही में मीडिया के सामने कहा था कि मध्यप्रदेश को इस बात का तमगा हासिल है कि यहां की महिलाएं सबसे ज्यादा शराब का सेवन करती हैं। पटवारी के इस बयान पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उन्हें आड़े हाथों लिया।

सीएम डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा लाड़ली बहनों को शराबी बताना दुर्भाग्यपूर्ण बात है। बहनों का यह अपमान मध्यप्रदेश बर्दाश्त नहीं करेगा। आज कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने इस बात को बड़ी बेशर्मी से बताया कि प्रदेश की बहनें सबसे ज्यादा शराब पीती हैं। यह एक तरह से उनकी छोटी मानसिकता है। अब जनता छोड़ेगी नहीं सीएम डॉ. यादव ने कहा कि उनके ही एक कांग्रेस नेता ने कहा था कि लाड़ली बहनों को बोरे में बंद कर देंगे। आज हरतालिका तीज है। तीज के त्योहार के दिन बहनों का अपमान हमारी सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। जनता इस अपमान का पूरा हिसाब चुकाएगी। इस बात के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को माफी मांगनी चाहिए। उन्हें खेद व्यक्त करते हुए इस तरह महिलाओं का अपमान करने वालों को पद से हटाना चाहिए।

बल्ब होल्डर में कैमरा लगा ब्लैकमेल करने वाला गिरोह पकड़ाया

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस ने होटल के कमरों में स्पाई कैमरे लगाकर कपल्स की रिकॉर्डिंग करने वाली गैंग का पर्दाफाश किया है। गैंग की मास्टर माइंड इंजीनियरिंग छात्रा राधा चौबे है, जिसने अपने बॉयफ्रेंड भूपेंद्र धाकड़ और दोस्त बृजेश धाकड़ के साथ मिलकर गिरोह बनाया था।

आरोपी राधा और उसके दोनों साथी गिरफ्तार-छात्रा ने अपनी सहेली और उसके बॉयफ्रेंड के लिए होटल का कमरा बुक कराया और बल्ब के होल्डर में स्पाई कैमरा लगाकर उनकी निजी रिकॉर्डिंग कर ली। बाद में वीडियो भेजकर बायफ्रेंड से एक लाख रुपये की मांग की गई। शिकायत मिलने पर पुलिस ने राधा और उसके दोनों साथियों को गिरफ्तार कर लिया। छात्रा के मोबाइल और पेन ड्राइव से कई कपल्स के वीडियो मिले हैं।

चीनोर निवासी पुष्पेंद्र प्रजापति (27) ने बताया कि 26 जुलाई को वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ होटल विराट इन में रुका था। यह कमरा गर्लफ्रेंड की सहेली राधा चौबे ने बुक किया था। पांच घंटे बाद वह किराया देकर होटल से चला गया था। कुछ दिन बाद उसके पास वाट्सएप पर मैसेज आया कि कमरे में उसके निजी पल रिकॉर्ड किए गए हैं और वीडियो वायरल होने से रोकना है, तो एक लाख रुपये देने होंगे।

दबाव में आकर पुष्पेंद्र ने रुपये ट्रांसफर किए-पुष्पेंद्र ने समय मांगा, तो आरोपितों ने तीन दिन की मोहलत दी। 23 अगस्त को फिर धमकी मिली कि अब जीने नहीं देंगे, 30 मिनट में रुपये अकाउंट में डालो। दबाव में आकर पुष्पेंद्र ने पहले पांच हजार, फिर 45 हजार रुपये ट्रांसफर किए। बाद में 50 हजार और मांगे गए। परेशान होकर उसने भाई को सब बताया और थाने में शिकायत दर्ज कराई।

नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव अब सीधे होंगे, सीएम मोहन यादव का बड़ा ऐलान

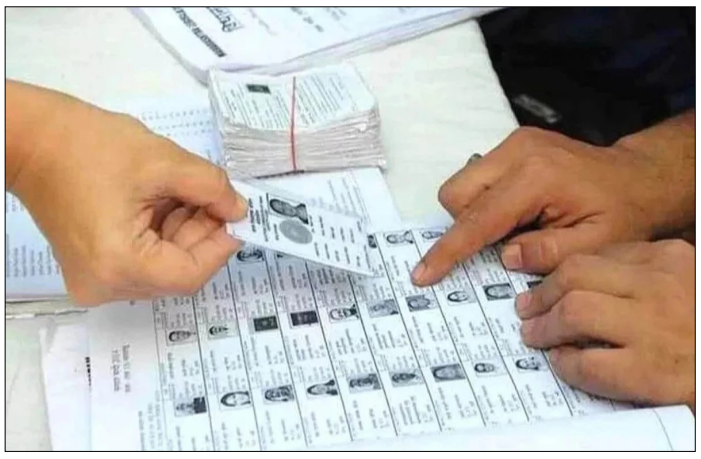

जबलपुर। भाजपा के जबलपुर संभागीय कार्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब नगरीय निकाय और पंचायतों के चुनाव सीधे होंगे। मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि आगामी चुनावों के लिए सभी लोग प्रतिबद्ध रहें और जनता के बीच लगातार सक्रिय बने रहें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷पार्टी है तो सरकार है और सरकार है तो प्रतिष्ठा है,÷ इसलिए कार्यकर्ताओं को जनता के हित में कार्य करना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2023 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं की मेहनत और परिश्रम से भाजपा को ऐतिहासिक विजय मिली है। अब जरूरत है कि केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। जे.पी. नड्डा की का सराहना बैठक में मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि नड्डा ने विद्यार्थी परिषद से लेकर भाजपा संगठन तक जिस भी जिम्मेदारी को निभाया, उसे और अधिक गरिमापूर्ण और प्रशंसनीय बनाया। भाजपा की यह कार्य संस्कृति अन्य दलों से अलग है, क्योंकि यहां राष्ट्रीय अध्यक्ष सीधे कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हैं।

सीएम ने स्वास्थ्य क्षेत्र में भाजपा सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नड्डा के नेतृत्व में नेशनल मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की स्थापना कर ऐतिहासिक सुधार किए गए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार तेजी से कर रही है। यह पहल भाजपा की जनजातियों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सांवेर विधानसभा क्षेत्र में एक लाख पौधे लगाए जाएंगे

विकास कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयसीमा में पूर्ण करना वर्तमान आवश्यकता- जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट की अध्यक्षता में सांवेर विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक शासकीय महाविद्यालय सांवेर में सम्पन्न हुई। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। वर्तमान समय में सभी विकास कार्यों में इन तीन बिंदुओं अत्यंत अवश्य है। इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। अधिकारी कार्यालयों में बैठने के बजाय मैदान पर जाकर कार्यों की प्रगति देखें और उसकी सतत मॉनिटरिंग करें। केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से कोई भी हितग्राही वंचित नहीं रहें। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठजनों को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना से जोड़े। शासकीय उचित मूल्य दुकानों से पात्र हितग्राहियों को समय पर राशन प्राप्त हो यह सुनिश्चित करें। तहसील स्तर पर प्रति माह समीक्षा बैठक आयोजित की जाये। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र में दीपावली पूर्व सड़कों का पैंचवर्क और डामरीकरण का कार्य पूरा करें। सांवेर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी शिक्षा संस्थानों में फर्निचर, ब्लैक बोर्ड, बिजली, शुद्ध पेयजल के लिए आरओ आदि बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायें। शासकीय स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों का प्रवेश सुनिश्चित करवायें। हाई स्कूल और हाई सेकेण्डरी परीक्षा में मेरिट में आने वाले छात्रों को सम्मानित किया जाए। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रावासों में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध करायें। सभी अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के छात्रावासों का निरीक्षण एक माह के अंतराल में सुनिश्चित करें। साथ ही जो आवश्यक हो, उसकी पूर्ति की जाए। शिक्षा संस्थानों में प्रतिमाह शिक्षक-पालक संघ की बैठक आयोजित की जाए। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि इस वर्षाकाल में सांवेर विधानसभा क्षेत्र में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एक लाख पौधों का रोपण किया जाएगा। ये पौधे सभी शिक्षा संस्थानों सहित अन्य स्थानों पर रोपे जाएंगे। सभी योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को मिले, इस हेतु सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे। सांवेर विधानसभा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक स्तरों का सौंदर्यीकरण किया जाए। गौशाला को बढ़ावा देने के लिए गौ पालकों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि सांवेर विधानसभा क्षेत्र के सभी कृषकों को पर्याप्त मात्रा में समय पर उन्नत खाद-बीज एवं अन्य सुविधाएं मिले, यह सुनिश्चित करायें। साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से कोई भी हितग्राही वंचित नहीं रहें। जिन हितग्राहियों का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 में स्वीकृत हो गया है, उन्हें आवास उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सभी पात्र हितग्राही आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित नहीं रहें, विशेषकर वरिष्ठजनों के प्रति संवेदनशीलता बरते। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में नदी-नालों के किनारे सुरक्षा संबंधी संकेतक बोर्ड एवं होर्डिंग आदि लगायें। विद्युत ट्रांस्फार्मर एवं बिजली तारों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। नामांतरण, सीमांकन, बटांकन, बटवारा, रास्ता विवाद आदि से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहें।

बैठक में एसडीएम श्री घनश्याम धनगर, कनाड़िया एसडीएम श्री ओमप्रकाश बड़कुल, मल्हारगंज एसडीएम सुश्री निधी वर्मा, खुडेल एसडीएम श्री नीरज खरे, सांवेर जनपद सीईओ श्रीमती कुसुम मंडलोई, तहसीलदार सुश्री पूनम तोमर, सुश्री अंकिता वाजपेयी, श्री शेखर चौधरी सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अधिकारियों ने भी अपने विचार एवं सुझाव रखें।

52 बार रक्तदान कर बनीं मप्र की पहली महिला

इंदौर। निवासी तरनजीत कौर भाटिया ने अब तक 52 बार रक्तदान (ब्लड डोनेट) किया है। वह बताती हैं कि 18 साल पहले प्रसव (डिलीवरी) के समय उनकी हालत गंभीर थी और खून की तत्काल जरूरत थी। उनके पति को खून की व्यवस्था के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। उसी अनुभव ने तरनजीत को रक्तदान के महत्व का अहसास कराया और उन्होंने ठान लिया कि जीवन भर जरूरतमंदों की मदद करेंगी।

2007 से की शुरुआत तरनजीत का परिवार 2006 में निमाड़ से इंदौर शिफ्ट हुआ था। उसी साल अक्टूबर में उनकी डिलीवरी हुई। डॉक्टरों ने पहले ही खून की जरूरत की बात कही थी, लेकिन उस समय मोबाइल और सोशल मीडिया जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। रिश्तेदारों और अस्पतालों में फोन करके मुश्किल से खून मिला। इसके बाद तरनजीत ने 2007 से नियमित रक्तदान की शुरुआत की। महिलाओं में रक्तदान का प्रतिशत बेहद कम रनजीत का कहना है कि महिलाएं रक्तदान को लेकर अक्सर संकोच करती हैं।

श्री खजराना गणेश मंदिर में 10 दिवसीय महोत्सव 27 अगस्त से होगा प्रारंभ

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध श्री खजराना गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर 10 दिवसीय महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह महोत्सव 27 अगस्त से प्रारंभ होगा। महोत्सव के दौरान मंदिर में विशेष साज-सज्जा की जाएगी। विधि-विधान के साथ नियमित पूजन-अर्चन होंगे और 10 दिन तक भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन भी होंगे। इस बार देश के प्रसिद्ध अनेक भजन गायक भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गणेश चतुर्थी पर 27 अगस्त 2025 बुधवार को सुबह 10 कलेक्टर सह अध्यक्ष श्री आशीष सिंह एवं नगर निगम आयुक्त सह प्रशासक श्री शिवम वर्मा, श्री गणपति मंदिर खजराना प्रबंध समिति द्वारा आयोजित ध्वजा-पूजन और लड्डू

प्रसादी वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे।

गणेश चतुर्थी महोत्सव के तहत 28 अगस्त 2025 गुरूवार को दोपहर 2 बजे दृष्टि बाधित बच्चों द्वारा मगंलाचरण तथा शाम 7 बजे श्रीमती कल्पना झोकरकर की संगीतमय प्रस्तुति होगी। 29 अगस्त 2025 शुक्रवार को दोपहर 2 बजे शालेय छात्र-छात्राओं द्वारा गायन होगा और शाम 7.30 बजे नेशनल स्कूल ऑफ कत्थक द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। 30 अगस्त 2025 शनिवार को शाम 5 बजे अन्नक्षेत्र के आजीवन सदस्यों का सम्मान होगा। इस अवसर पर स्नेह भोज का आयोजन भी किया गया है। इसी दिन रात्रि 8 बजे श्री ऋषि कुमार म्यूजिकल ग्रुप द्वारा भजन संध्या आयोजित की गई है। 31 अगस्त 2025 रविवार को शाम 5 बजे कला प्रस्तुति होगी। रात्रि 8 बजे श्री अश्विनी पाठक द्वारा सुंदरकाण्ड का आयोजन किया गया है। 01 सितम्बर 2025 सोमवार को शाम 6 बजे से नादयोग गुरुकूल द्वारा कत्थक - भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी जायेगी। पाटीदार योगा सेन्टर द्वारा गीतायन एवं स्वर मंदिर म्यूजिकल योगा की प्रस्तुति होगी। 02 सितम्बर 2025 मगंलवार को शाम 7 बजे भजन संध्या होगी, इसमें भजन गायक श्री रतन मोहन शर्मा द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। 03 सितम्बर 2025 बुधवार को शाम 7 भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायिका सुश्री मैथिली ठाकुर के भजन होंगे। 04 सितम्बर 2025, गुरूवार को शाम 7 बजे भजन संध्या में सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री कौशलेन्द्र शर्मा (शर्मा बंधु) सुरमय प्रस्तुतियां देंगे। सभी कार्यक्रम श्री गणपति मंदिर खजराना परिसर स्थित प्रवचन हॉल में होंगे।

मंत्री श्री विजयवर्गीय की अनुशंसा पर मृतक कांवड़ यात्री की माता जी को मिली 4 लाख रूपये की सहायता राशि

इंदौर। पिछले दिनों कांवड़ यात्रा के दौरान एक सड़क हादसे में जान गंवाने वाले युवक आदर्शनाथ राठौर की माता श्रीमती मोनिका राठौर पति श्री संजयनाथ राठौर को नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। जिस पर मंत्री श्री विजयवर्गीय ने मुख्यमंत्री जी का आभार माना है।

विधानसभा-1 में नगीन नगर के रहने वाले आदर्शनाथ राठौर महू के गांव सिमरोल से सावन माह में कांवड़ लेकर इंदौर आ रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनको टक्कर मार दी थी। सड़क हादसे में आदर्शनाथ राठौर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी और उनके साथ कांवड़ यात्रा में चल रहे उनके 6 साथी गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

आदर्शनाथ राठौर, राठौर दंपत्ति के एकमात्र पुत्र और अकेले कमाने वाले थे। मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने परिवार की आर्थिक सहायता के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहयोग प्रदान करने के लिए पत्र लिखा था। मंत्री जी की अनुशंसा पर यह राशि स्वीकृत हुई है।

सरवटे बस स्टेंड और रेलवे स्टेशन सहित आस-पास के क्षेत्रों में बेतरतीब खड़ी बसों के विरूद्ध बड़ी कार्रवाई

इंदौर। इंदौर में उच्च न्यायालय और कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देशानुसार यातायात व्यवस्था को सुगम बनाये रखने के लिये निरंतर प्रयास जारी है। इसी क्रम में आज परिवहन विभाग के अमले द्वारा सरवटे बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन और आस-पास के क्षेत्र में बेतरतीब खड़ी यात्री बसों के विरूद्ध मुहिम चलाई गई। इस मुहिम में आज 13 बसें जप्त की गई। इसके पहले 5 बसों को जप्त किया था, इन्हें मिलाकर कुल 18 बसें जप्त की जा चुकी है। इनमें अधिकतर उपनगरीय बसें शामिल है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि उपनगरीय बसों से संबंधित कई प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही थी, जिनमें ओव्हर स्पीडिंग, रेसिंग, यात्रियों से अधिक किराया लेने, टिकिट नहीं देने, किराया सूची चस्पा नहीं करने आदि शामिल है। इन शिकायतों के निराकरण के लिये प्रभावी कार्रवाई प्रारंभ की गई है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही सरवटे और रेलवे स्टेशन के आस-पास यात्री बसें बेतरतीब और अवैध रूप से खड़ी हो रही थी। बार-बार हिदायत देने के बाद भी कोई सुधार दिखाई नहीं दिया। इसको देखते हुए आज संयुक्त मुहिम चलाकर बसों की जांच की गई और अवैध रूप से खड़ी बसों को जप्त किया गया।

स्थानीय निकायों की वित्तीय अनिमितताओं के मामले कलेक्टर्स के संज्ञान में लाये जाए

इंदौर। इंदौर संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने सोमवार को संभाग अंतर्गत विभिन्न जिलों में पदस्थ सहायक संचालकों एवं संभागीय संयुक्त संचालक के साथ स्थानीय निकायों के वित्तीय अंकेक्षण संबंधी समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में लंबित अंकेक्षण आपत्तियों, स्थानीय निकायों के अंकेक्षण कार्य की प्रगति, अंकेक्षण के दौरान स्थानीय निकायो द्वारा रिकॉर्डस उपलब्ध नहीं कराया जाना, अंकेक्षण आपत्तियों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया जाना एवं शासकीय राजस्व अंकेक्षण शुल्क की राशि को नहीं जमा किये जाने वाले प्रकरणों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने स्थानीय निकायों में गबन जैसी अतिगंभीर वित्तीय अनियमितता पर संबंधित दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गए। संभागायुक्त श्री सिंह ने स्थानीय निकायों जिला पंचायत, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर परिषद, विकास प्राधिकरण एवं कृषि उपज मंडी समितियों को जिलेवार वित्तीय अनियमितता अंरक्षण आपत्तियों पर प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश संभागीय संयुक्त संचालक श्री आर.के. सोनी को दिए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि ऐसी अनियमितताएं कलेक्टर्स के भी संज्ञान में भी लायी जाए। संभागीय स्तर पर ऐसे अनिराकृत एवं गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के प्रकरण प्रकाश में लाकर प्रशासनिक स्तर पर नियमानुसार कार्यवाही के लिए भी प्रस्तुत किये जायें। बैठक के दौरान संभागीय संयुक्त संचालक श्री आर.के. सोनी ने विगत वित्तीय वर्ष में किये गये कार्यों व उपलब्धियों तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में किये गये कार्यों की जानकारी दी। बैठक में सहायक संचालक श्री निशांत सिम्हा, सुश्री रचना पंड्या, श्रीमती तृप्ति दीक्षित, श्री ऋषिकेश वैद्य और श्री दयाराम डाबर उपस्थित रहे।

इंदौर जिले में अब तक 412.2 मिलीमीटर (16 इंच से अधिक) औसत वर्षा

इंदौर। इंदौर जिले में जारी मानसून सत्र में अब तक 412.2 मिलीमीटर (16 इंच से अधिक) औसत वर्षा हो चुकी है। यह आंकड़ा गत वर्ष इस अवधि में दर्ज 591.4 (23.3 इंच) मिलीमीटर औसत वर्षा से 179.2 मिलीमीटर (7.05 इंच) कम है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज 25 अगस्त की सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में वर्षामापी केन्द्र इंदौर में 2.8 मिलीमीटर, महू में 4 मिलीमीटर, सांवेर में 13.1 मिलीमीटर, देपालपुर में 11.8 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 3.9 मिलीमीटर तथा हातोद में 4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

शहर में संचालित अस्पताल सीआरएस पोर्टल पर जन्म की सही जानकारी अपलोड करें ताकि परिवारजनों को त्रुटि सुधार करने के लिए अनावश्यक चक्कर ना लगाने पड़े - अपर आयुक्त श्री संतोष टेगोर

उज्जैन। निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा के निर्देशानुसार मंगलवार को जन्म/मृत्यु विभाग के अपर आयुक्त श्री संतोष टैगोर द्वारा शहर में संचालित अस्पतालों के पदाधिकारियों एवं कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई जिसमें निर्देशित किया गया कि अस्पताल प्रबंधन द्वारा सीआरएस पोर्टल पर बच्चे के जन्म से सम्बंधित सही एवं सटीक जानकारी दर्ज की जाए ताकि जन्म प्रमाण पत्र बनाने के दौरान परिवारजनों को सही प्रमाण पत्र उपलब्ध हो सके। गलत जानकारी दर्ज होने से परिजनों को अनावश्यक चक्कर ना लगाने पडते हैं, इसके लिए सीआरएस पोर्टल पर कंप्यूटर ऑपरेटर के द्वारा सही जानकारी दर्ज करने की आवश्यकता है इसके लिए अस्पताल मैनेजमेंट की तरफ से सीआरएस पोर्टल में माता-पिता का सही नाम, सही मोबाइल नंबर, सही तारीख, वैलिड डॉक्युमेंट, धर्म इत्यादि की जानकारी दर्ज करते समय परिजन के मोबाइल नंबर पर एक लिंक भेजी जाती है परिवार के सदस्यों के द्वारा आवेदन में सही जानकारी उपलब्ध होने पर स्वीकृति दिए जाने के बाद डिस्चार्ज से पहले ही सर्टिफिकेट उपलब्ध करवा दिया जाए।

प्रायः यह देखने में आ रहा है कि कुछ चुनिंदा अस्पताल के द्वारा ही यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है इसलिए सभी अस्पताल के मैनेजमेंट यह सुनिश्चित करें कि डिस्चार्ज से पहले ही जन्म प्रमाण पत्र बिना नाम अंकित किए हुए परिजनों को उपलब्ध हो एवं परिवार के सदस्यों को अनावश्यक चक्कर ना लगाना पड़े, अस्पतालों में ऑनलाइन कार्य के साथ-साथ यह कार्य ऑफलाइन भी होता है जिसमें जिन परिजनों के पास लिंक भेजे जाने की सुविधा नहीं होती है उन्हें फॉर्म उपलब्ध करवाते हुए यह सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है।

बैठक में जन्म मृत्यु विभाग की प्रभारी अधिकारी सुश्री साधना चौधरी एवं शहर के अस्पतालों के मैनेजमेंट सदस्य एवं कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहें।

दिन दुनिया,मीडिया,सोशल मीडिया, फोन, मोबाइल से दूर 10 दिनों तक तपोभूमि में श्रावक संस्कार शिविर में रहेंगे सैकड़ो लोग

उज्जैन। पर्वाधिराज दशलक्षण महापर्व महोत्सव के पावन अवसर पर श्रावक संस्कार शिविर दिनांक 28 अगस्त 2025 से 07 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जाएगा शिविर श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन पर लगाया जाएगा।

मीडिया प्रभारी समाज सचिव सचिन कासलीवाल ने बताया कि इस बार प्रभा दीदी जबलपुर जो आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के ग्रस्त जीवन की बड़ी बहन है के सानिध्य में होगा।

प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी आचार्य प्रज्ञा सागर जी महाराज के सानिध्य में तपोभूमि पर श्रावक संस्कार शिविर का भव्य आयोजन आयोजित किया जाता है जिसमें सुबह से शाम तक धार्मिक आध्यात्मिक प्रवचन योग पूजा पाठ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। शिविर का कार्य रमेश जैन एकता ज्वेलर्स एवं सारिका जैन व संपूर्ण तपोभूमि ट्रस्ट देखा है।

शिविरार्थी दैनिक चर्या प्रातःः5.30 बजेसामायिक6.00 बजे मांगलिक पाढ 06.45 अभिषेक शांतिधारा विधि प्रारम्भ 07.30 नित्य-नैमित्तिक पूजा प्रारम्भ 08.45 दीदी के मंगल प्रवचन,10.00 आहार चर्या 11.00,12.00 शिवरार्थियों का भोजन,दोप.02.30जाप एवंविश्राम,04.30तत्वार्थ सूत्र की वाचना, पूजा एवं व्याख्या,सायं 05.30प्रतिक्रमण शिवरार्थियों का अल्पाहार एवं तपस्वियों की जल सेवा,06.15 गुरु भक्ति / चालीसा,06.45 रात्रिआनन्द यात्रा आरती एवं भक्ति,08.00 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

1. शिविर में पंजीयकरण करना होगा

2. शिविरार्थी को दिनांक 28 अगस्त 2025 प्रातः 5.30 बजे तक तपोभूमि पर उपस्थित होना अनिवार्य है।

3. शिवरार्थी के आवेदन की अंतिम तारिख आज 2025 तक है।

आज से टॉवर पर होगा 10 दिवसीय गणेश उत्सव

ज्वलंत अमित मुकुल शर्मा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा दी जाएगी प्रस्तुति

उज्जैन। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 27 अगस्त शाम 7 बजे से टावर चौक पर टावर चौपाटी संगठन और ज्वलंत अमित मुकुल शर्मा म्यूजिकल ग्रुप द्वारा 10 दिवसीय भव्य गणेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। राजपाल सिंह सिसोदिया और नीलू रायकवार ने बताया कि प्रतिदिन शाम 7 बजे से ज्वलंत शर्मा, अमित शर्मा, मुकुल शर्मा, मिथिलेश शर्मा, अनामिका शर्मा, शिवानी शर्मा, अनुभूति शर्मा, अनमोल शर्मा, लय शर्मा, लक्ष्य शर्मा अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस कार्यक्रम में ज्वलंत शर्मा के मार्गदर्शन में रफी नाइट, किशोर नाइट, मुकेश नाइट, लोक, राजस्थानी, डांस ,लाठी कराते का प्रदर्शन होगा।

जाप के साथ पारस इकतीसा, भक्तांबर स्त्रोत, चेत्यवंदन सहित धार्मिक गतिविधियां की

उज्जैन। जैन यूनिटी फोरम उज्जैन मुंबई द्वारा अवंती पार्श्वनाथ दादा के दरबार में संस्थापक मनोज सुराणा की प्रेरणा से पर्यूषण पर्व पर आयोजित नौ दिन नवकार आराधना में सैकड़ों आराधकों ने भक्ति आराधना की। जाप के साथ पारस इकतीसा, भक्तांबर स्त्रोत, चेत्यवंदन सहित धार्मिक गतिविधियां की।

ग्रुप संयोजक अंजू मनोज सुराणा ने बताया कि 26 अगस्त के बंपर गिफ्ट के लाभार्थी राकेश आभा बाठिया ओर नौ गिफ्ट के लाभार्थी सुगनचंद्र सूर्यकांता जैन रहे। प्रभावना पारस अनीता गादिया द्वारा प्रदान की गई। मंडल की गिफ्ट के लाभार्थी मनोज अंजू ऐश्वर्य माधुर्य सुराणा रहे। बंपर ड्रा चंदन बेन मिर्ची वाला को मिला। लक्की ड्रा डिजिटल तकनीक द्वारा धर्मेंद्र जैन ने आराधकों से निकलवाए। मंडल का बहुमान अवंती पार्श्वनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मनोज अंजू सुराणा, महेश मधु घूघरिया, प्रमोद पटवा, अनिल तारा जैन, संतोष तारा सालेचा, रमेश चोपड़ा, जिनेश सराफ, जुली गोलेछा, अंकित अमीषा जैन, राजेश अनीता सोनी, धर्मेंद्र साधना जैन, अशोक दर्डा, नितेश जया नाहटा, प्रदीप किरण नाहटा, नवीन कोठारी, ललित मनीषा कोठारी, पीयूष ज्योति चोरड़िया, संतोष कोठारी, ईशा जैन, अमित बाठिया दंपति, अल्पेश दुग्गड, प्रफुल रानी लोढ़ा, संतोष मधुलिका सिरोलिया, जय जैन, मास्टर बाठिया उपस्थित रहे।

श्री रामदेवरा जयंती पर विशेष आरती, महा प्रसादी व साड़ी वितरण का आयोजन

उज्जैन। उज्जैन स्थित ऐतिहासिक श्री चिंतामण गणेश मंदिर द्वार पर सोमवार, 25 अगस्त 2025 को श्री रामदेव बाबा (रामदेवरा जी) की जयंती के पावन अवसर पर एक भव्य धार्मिक आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और बड़ी संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर बाबा के दर्शन का लाभ लिया।

मंदिर द्वार पर विधिवत विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसके दौरान वातावरण भक्ति रस से सराबोर हो उठा। आरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। महा प्रसादी वितरण का कार्य श्री गुलाब सिंह गुंदिया परिवार, श्री गणेश प्रसाद भंडार और देव टूर एंड ट्रेवल्स द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवा और धार्मिक कार्यों से जुड़े कई अन्य लोग भी उपस्थित रहे। भारत स्काउट एवं गाइड मध्यप्रदेश के राज्य मीडिया प्रभारी तथा बेखबरों की खबर के प्रधान संपादक श्री राधेश्याम चौत्रषिया ने भी सपरिवार सहित मंदिर पहुंचकर बाबा श्री रामदेवरा जी के दर्शन किए। उन्होंने विशेष रूप से उपस्थित माँ, बहन-बेटियों को साड़ियों का वितरण किया और उनके जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

इस अवसर पर श्रीमती रानी राधेश्याम चौत्रषिया, श्रीमती राधा दिनेश चौत्रषिया, श्री शुभम चौत्रषिया, श्री सिद्धीविनायक चौत्रषिया, श्री अर्जुन गुंदिया, श्री आनंद माली, श्री मदन लाल, श्री मनीष गुरु, श्री रंगु सिंह (मिर्ची वाले) सहित अन्य गणमान्य जन की गरिमामयी उपस्थिति रही।पूरे आयोजन में श्रद्धा और भक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला। विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ मिलकर इस पावन पर्व को मनाने के लिए एकत्र हुए, जिससे सामाजिक सौहार्द और धार्मिक उत्साह का अद्भुत वातावरण बना।

संदीप सृजन मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

उज्जैन। साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग, भोपाल द्वारा भव्य अलंकरण समारोह 25 अगस्त, सोमवार को भोपाल के रविन्द्र भवन में आयोजित किया गया। जिसमें अखिल भारतीय पुरस्कार नारदमुनि पुरस्कार 2023 (नेट/ब्लॉग पत्रकारिता) उज्जैन के युवा साहित्यकार, पत्रकार संदीप सृजन को प्रदान किया गया।

अलंकरण समारोह में सुप्रसिद्ध क्रिकेट उद्घोषक पद्मश्री सुशील दोषी, एन.पी.नामदेव संचालक संस्कृति संचालनालय तथा साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने संदीप सृजन को अखिल भारतीय पुरस्कार स्वरूप मेटल प्रशस्ति पत्र के साथ शॉल, श्रीफल एवं सम्मान राशी भेंट कर अलंकृत किया। म.प्र. लेखक संघ उज्जैन के सचिव डॉ. हरीशकुमार सिंह ने बताया कि साहित्य के क्षेत्र में इंटरनेट पत्रकारिता (नेट ब्लॉगिंग) के लिए संदीप सृजन को साहित्य अकादमी का अखिल भारतीय पुरस्कार मिलना महनीय उपलब्धि है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com